[Shrimati Indra Gandhi]

affects the local population. I do not think I can add much, because the other question asked by the hon. Member is an overall question which we have discussed many times. I should only like to refute that part of this statement where he says that we are trying to encourage the Government of West Pakistan or that we are appeasing them in any way, I protest against that statement.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Indirectly encouraging.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Neither indirectly not directly are we encouraging them. In fact, we are very active in drawing the world's attention to the real state of affairs there. As the House knows, this is a rather delicate matter which we have discussed on numerous occasions with the Members of the Opposition and we can discuss it again with them. I do not think that one can talk about these things especially in answar to a calling-attention-notice which deals with a specific matter such as the outbreak of cholera.

श्री रामशेखर प्रसाद सिंह (छपरा): अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने स्वीकार किया है कि अधिकांश रेफ्यूजीज़ जो कैम्प्स में आये हैं वह पहले से ही हैजे से रोगग्रस्त थे। मैं जानना चाहता हूं कि जो रेफ्यूजीज़ रोगग्रस्त थे उनको और जो स्वस्थ थे क्या उनको अलग-अलग कैम्पों में रखने की व्यवस्था की गई है? यदि नहीं तो जैसा कि अखबारों में पढ़ने को मिला है कि कलकत्ता एरोड्रोम के पास भी एक रेफ्यूजी कैम्प है जिसको हटाने के लिए सिविल एविएशन डिपार्टमेंट ने निवेदन किया है क्योंकि अगर वहां पर उस कैम्प में हैजे से रोगग्रस्त लोग हुए तो हैजे का प्रकोप बढ़ सकता है और यह भी भय है कि सारे देश में उसका प्रकोप बढ़ जाये तो उन कैम्पों से निकट की बस्तियों में हैजे का प्रकोप न बढ़े उसके लिए कौन सी व्यवस्था की गई है?

श्री उमाशंकर दीक्षित: बंगाल के निकट जो राज्य है बिहार और उड़ीसा, उनकी सरकारों को और बाकी देश की सारी राज्य सरकारों को हमने इस बात की तरफ ध्यान दिलाते हुए आग्रह किया है। जैसा कि माननीय सदस्य ने मेरे उत्तर को लेकर कहा कि जो लोग पहले आते हैं वे वहीं आकर गिर जाते हैं तो जो गिर जाते हैं उनका प्रश्न तो है नहीं लेकिन जो कैम्पों में पहुंच जाते हैं उनकी परीक्षा की जाती है और जिनमें कालरा या गैस्ट्रो एन्ट्राइयटस के सिम्पटम्स पाये जाते हैं उनकी तात्कालिक सुश्रूषा और चिकित्सा हो जाती है और इसके लिए जितनी भी सामग्री चाहिए वह सब कैम्पों में मौजूद है।

जहां तक इस रोग के प्रकोप के बढ़ने की बात है, एक कैम्प से दूसरी जगह पर जब उनको हम भेजते हैं जैसे कि मध्य प्रदेश के माना कैम्प में भेज रहे हैं तो उनको हम बजाये ट्रेन के और तरह से सीधे भेजते हैं ताकि रास्ते में उनका किसी और से सम्पर्क न आये। इस प्रकार से जितना भी प्रिकाशन सम्भव है वह हम ले रहे हैं। इसके अलावा दूसरी स्टेट्स में हम बहुत सारी सामग्री खासकर प्रिवेन्टिव मेडिसिन्स और वैक्सीन्स वगैरह भेज रहे हैं।

12.45 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

NAVAL CEREMONIAL, CONDITIONS OF SERVICE AND MISCELLANEOUS (AMENDMENT) REGULATIONS

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIWAN RAM): I beg to lay on the Table a copy of the Naval Ceremonial Conditions of Service and Miscellaneous (Amendment) Regulations, 1971 (Hindi and English versions) published in Notification No. S.R.O. 179 in Gazette of India dated the 29th May, 1971, under section 185 of the Navy Act, 1957. [*Placed in Library. See* No. LT—326/71]

REPORTS UNDER ARTICLE 151 (I) OF THE CONSTITUTION AND APPROPRIATION ACCOUNTS ETC.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH): I beg to lay on the Table: